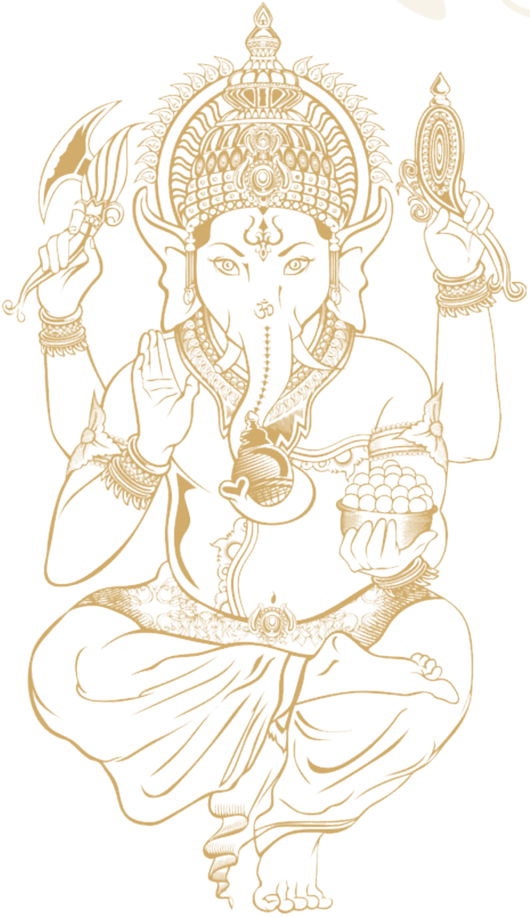

Dhruv upadhyay

27 Jan 2004

02:30 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121221605

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27/01/2004**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**14:30:00 घंटे**
इष्ट	18:14:09 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:08:52 घंटे
वेलान्तर	-00:12:37 घंटे
साम्पातिक काल	22:32:51 घंटे
सूर्योदय	07:12:20 घंटे
सूर्यास्त	17:55:28 घंटे
दिनमान	10:43:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	12:50:34 मकर
लग्न के अंश	28:31:41 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 2**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	सिद्ध
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दो-दौलत
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	28:31:41	343:57:19	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	---
सूर्य			मक	12:50:34	01:01:00	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	21:53:40	12:27:02	रेवती	2	27	गुरु	बुध	सूर्य	सम राशि
मंगल			मेष	01:37:35	00:37:54	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मूलत्रिकोण
बुध			धनु	20:43:22	01:19:45	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	सम राशि
गुरु	व		सिंह	24:07:30	00:04:22	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
शुक्र			कुंभ	21:24:39	01:12:10	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	मित्र राशि
शनि	व		मिथु	13:48:29	00:03:59	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	मित्र राशि
राहु	व		मेष	22:44:20	00:02:40	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	22:44:20	00:02:40	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	सम राशि
हर्ष			कुंभ	07:25:35	00:03:13	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	---
नेप			मक	18:43:42	00:02:16	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	27:27:29	00:01:44	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	---
दशम भाव			कुंभ	12:32:35	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:39

लग्न-चलित

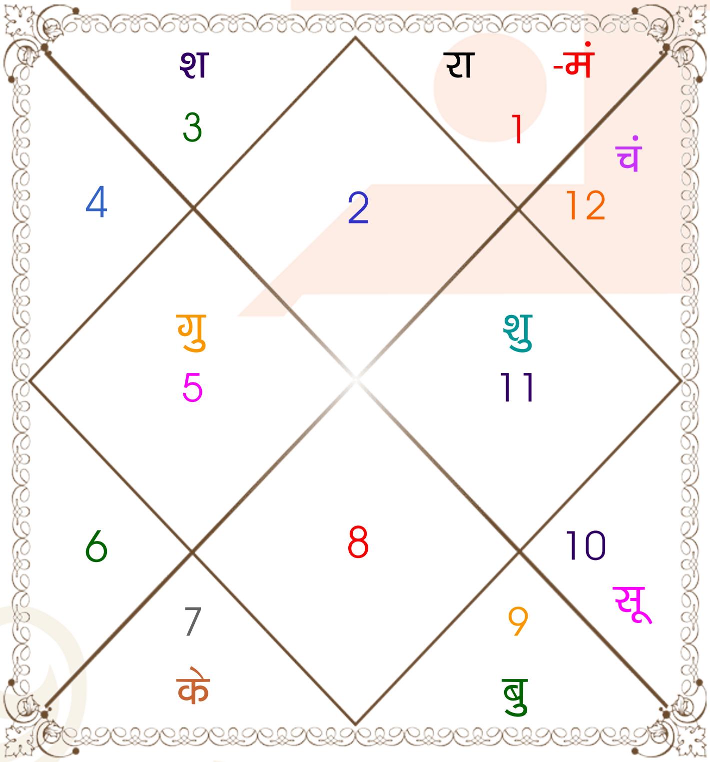

चन्द्र कुंडली

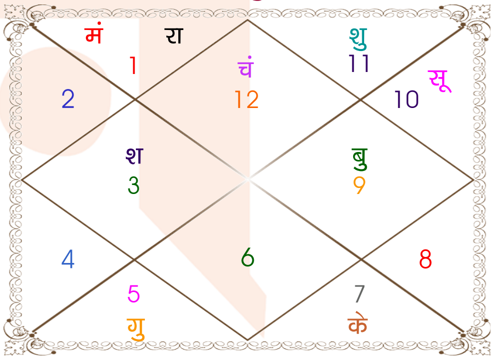

नवमांश कुंडली

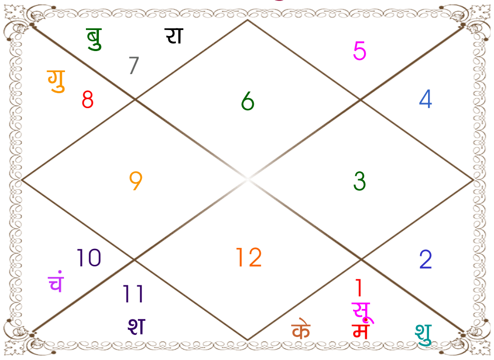

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 10 वर्ष 4 मास 0 दिन

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
27/01/2004	**29/05/2014**	**29/05/2021**	**29/05/2041**	**29/05/2047**
29/05/2014	**29/05/2021**	**29/05/2041**	**29/05/2047**	**29/05/2057**
00/00/0000	केतु 25/10/2014	शुक्र 27/09/2024	सूर्य 15/09/2041	चंद्र 28/03/2048
00/00/0000	शुक्र 25/12/2015	सूर्य 27/09/2025	चंद्र 17/03/2042	मंगल 27/10/2048
27/01/2004	सूर्य 01/05/2016	चंद्र 29/05/2027	मंगल 23/07/2042	राहु 28/04/2050
सूर्य 28/06/2004	चंद्र 30/11/2016	मंगल 28/07/2028	राहु 16/06/2043	गुरु 28/08/2051
चंद्र 27/11/2005	मंगल 28/04/2017	राहु 29/07/2031	गुरु 04/04/2044	शनि 29/03/2053
मंगल 24/11/2006	राहु 17/05/2018	गुरु 29/03/2034	शनि 16/03/2045	बुध 28/08/2054
राहु 13/06/2009	गुरु 23/04/2019	शनि 29/05/2037	बुध 21/01/2046	केतु 29/03/2055
गुरु 19/09/2011	शनि 31/05/2020	बुध 28/03/2040	केतु 29/05/2046	शुक्र 27/11/2056
शनि 29/05/2014	बुध 29/05/2021	केतु 29/05/2041	शुक्र 29/05/2047	सूर्य 29/05/2057

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
29/05/2057	**28/05/2064**	**29/05/2082**	**29/05/2098**	**30/05/2117**
28/05/2064	**29/05/2082**	**29/05/2098**	**30/05/2117**	**00/00/0000**
मंगल 25/10/2057	राहु 08/02/2067	गुरु 16/07/2084	शनि 02/06/2101	बुध 26/10/2119
राहु 12/11/2058	गुरु 04/07/2069	शनि 27/01/2087	बुध 10/02/2104	केतु 22/10/2120
गुरु 19/10/2059	शनि 10/05/2072	बुध 04/05/2089	केतु 21/03/2105	शुक्र 23/08/2123
शनि 27/11/2060	बुध 27/11/2074	केतु 10/04/2090	शुक्र 20/05/2108	सूर्य 28/01/2124
बुध 24/11/2061	केतु 16/12/2075	शुक्र 09/12/2092	सूर्य 02/05/2109	00/00/0000
केतु 22/04/2062	शुक्र 16/12/2078	सूर्य 27/09/2093	चंद्र 01/12/2110	00/00/0000
शुक्र 22/06/2063	सूर्य 09/11/2079	चंद्र 27/01/2095	मंगल 10/01/2112	00/00/0000
सूर्य 28/10/2063	चंद्र 10/05/2081	मंगल 03/01/2096	राहु 16/11/2114	00/00/0000
चंद्र 28/05/2064	मंगल 29/05/2082	राहु 29/05/2098	गुरु 30/05/2117	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 10 वर्ष 4 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुर्निर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष लग्नोदय काल में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कन्या नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण उदित था। फलस्वरूप इस बात का द्योतक है कि आप (जन्मकाल) बाल्यावस्था से ही निश्चित रूप से सुखी, सुलभ, स्नेहयुक्त एवं आनंन्दित जीवन व्यतीत करेंगे। आप सदैव ही नारी तथा धन से युक्त रहकर आनंद प्राप्त करेंगे।

आप सफलता प्राप्ति हेतु अंतिम क्षण तक सत्प्रयास करते रहेंगे मुख्यतः आप जीवन के 28 वें वर्ष के पश्चात् अपने परिश्रम को साकार कर लेंगे।

यद्यपि आप सहज स्वभाव के प्राणी हैं। आप में कुछ मुख्य गुण है कि आप प्रशंसनीय व्यक्ति हैं। आप उतावला होकर शीघ्रता पूर्वक कोई भी निर्णय नहीं लेतें बल्कि शांत चित्त हो खूब सोच विचार करने के पश्चात् अपने विवेक से दूसरा कदम उठाते हैं।

आप अपनी योजना को तुलनात्मक ढंग से विभिन्न प्रकारेण अनुकूलता एवं प्रतिकूलता के संबंध में विस्तारपूर्वक अध्ययनकर कार्यरूप देते हैं। इसके पश्चात् अपनी आंकाक्षा को एकाग्रचित होकर संबंधित प्रस्ताव को समर्पित करते हैं। परंतु आप यदा-कदा स्वभाव से प्रीतिपूर्वक व्यवहार करते है जो आपके लिए बोझ-स्वरूप दबाव पूर्ण हो सकता है। इसलिए आपको एक बार ऐसा विचार करना चाहिए कि अपनी बुनियादी गुण को त्याग कर ही अपने विषयक कार्य को सफलता के द्वार तक पहुंचा सकते हैं।

आपको शारीरिक सुख भोग के लिए सतत कठिन परिश्रम करके ही पुरष्कार स्वरूप धन, संपत्ति प्रतिष्ठा एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आप एक बार प्रगति के पथ पर अग्रसर हुए तों आपकी अपेक्षित धन संचय की लालशा पूरी हो जाएगी तथा बहुत अधिक धन संचय कर लेंगे। क्योंकि आप महान कृपण हैं अतः जीवन पर्यंत धन संपत्ति संचय करते रहेंगे।

आपको बहुत धनोपार्जन हेतु सुदंर एवं अनुकूल व्यवसाय आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय कृषि उपस्करों का व्यवसाय, वित्तीय (लेन-देन) दलाली का व्यवसाय, कलात्मक वस्तुओं का व्यवसाय, रत्नादि एवं ट्रांसपोर्ट (मालवाहक) संबंधी कार्यों के द्वारा अतिरिक्त धन उपार्जन कर सकेंगे।

आप सदैव ही विपरीत योनि के साथ आंख मिलाते रहना चाहते हैं। आप सदैव कामुकता पूर्ण आनंद प्राप्त करना पसंद करते हैं। अंततः आपके महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जनेन्द्रीय को क्षति होने की आशंका है। अस्तु उत्तम यह है कि आप इस प्रवृत्ति का त्याग कर दें।

आप निरंतर सुखद एवं शांतिपूर्ण घरेलू जीवन व्यतीत करेंगे। यह संभाव्य है कि आप मुख्यतया अपना सर्वोत्कृष्ट जीवन साथी बनाएंगे।

वृष राशीय जातक को निर्देश है कि आप अपने पति/पत्नी अथवा मित्रता के लिए

उपयुक्त राशि कन्या, मकर, मीन एवं वृश्चिक राशि के जातक अनुकूल हैं। इन राशियों का योग मानवीय एवं आनंददायक होगा। आप सदैव ही अपने पारिवारिक प्रसन्नता हेतु बहुत कुछ करते रहते हैं। आप वांछनीय एवं स्वस्थ्य जीवन के लिए सभी वांछित वस्तुओं की व्यवस्था एवं समर्पण करते हैं।

यद्यपि आप विस्तृत सम्पत्ति के स्वामी होंगे। आप शांतचित्त हृष्ट-पुष्ट शरीर से युक्त, संवेदनशील एवं जीवन में कुछ समय के बाद हल्के रोगों की आशंका है। आप गले के संक्रमण, कफ एवं शीत प्रभाव से शरीर में फोड़ा-फुंसी, दाद खुजली एवं शारीरकि पीड़ा से पीड़ित रहेंगे। अस्तु समय-समय पर अपने पारिवारिक चिकित्सक से संबंधित रह कर, इन रोगों के प्रति सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल और महत्वपूर्ण है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्याज्य है।

आपके लिए सभी रंगों में सुंदर एवं अति उत्तम रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। रंग लाल आपके लिए त्याज्य है।